

29³/23

फ्रावली पेय डपी। कोई भी उपार्जन
नहीं है। फ्रावली का मूल वाद का
09 R05 में खार्जि की जा चुकी है।
इस लिपि यह पत्राकली भी इस्ती सुन
पर 09 R05 में खार्जि की जाती है।
पत्राकली कैलल शुमार होकर नम्बर स
कम है। वाफ प्रारि दार्जिल दणाल है।



X